The Quest

Quarterly Newsletter

Year - 4 Volume - 1
March - May 2023

अन्वीक्षण

त्रैमासिक समाचार पत्र

वर्ष | 4 अंक | 1 मार्च – मई, 2023

शहीद मंगल पाण्डेय

वीर बाबू कुँवर सिंह

शेरे बलिया चित्तू पाण्डेय

जननायक चन्द्रशेखर

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया • JANANAYAK CHANDRASHEKHAR UNIVERSITY, BALLIA • संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय

बलिया (उ०प्र०)

Website : www.jncu.ac.in

The Quest
Quarterly Newsletter
Year - 4 Volume - 1
March - May 2023

अन्वीक्षण
त्रैमासिक समाचार पत्र
वर्ष | 4 अंक | 1 मार्च – मई, 2023

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पृ.सं0
1.	अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस...	3
2.	क्षय रोग से बचाव हेतु...	3
3.	प्लास्टिक मुक्त परिसर...	4
4.	वीरेन्द्र सिंह 'धुरान' की...	4
5.	उत्तर मध्य क्षेत्रा सांस्कृतिक...	5
6.	अम्बेडकर जयंती का आयोजन...	5
7.	जननायक चन्द्रशेखर जयंती...	5–6
8.	विश्व विरासत दिवस पर...	6
9.	प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों...	6–7
10.	कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम...	7
11.	रक्तदान शिविर का आयोजन...	7
12.	ग्रीष्मकालीन योग शिविर...	7–8
13.	गृह विज्ञान विभाग की...	8
14.	स्वास्थ्य परीक्षण शिविर...	8
15.	कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता...	9
16.	कुलपति का स्वागत समारोह..	9
17.	योग उत्सव कार्यक्रम...	10
18.	युवा संसद का आयोजन..	10
19.	यूनिवर्सिटी गेम्स के मशाल...	11
20.	गाँवों में योग शिविर का...	11
21.	जेएनसीयू ने क्षय रोगियों...	12
22.	राष्ट्रीय सेवा योजना...	12–13
23.	रोवर्स/रेंजर्स के कार्यक्रम...	13–14
24.	Inauguration of Theatre	14

मुख्य संरक्षक
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
कुलाधिपति

संरक्षक
प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता
कुलपति

संपादक
डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय

संपादक मण्डल
डॉ0 सरिता पाण्डेय
डॉ0 नीरज सिंह
डॉ0 संदीप यादव
डॉ0 प्रवीण नाथ यादव
डॉ0 अभिषेक मिश्र

सम्पादक की कलम से...

क्षण-भंगुर इस संसार में अगर कुछ शाश्वत, अनित्य है तो वह है परिवर्तन। परिवर्तन ही इस संसार की नियामक प्रक्रिया है जिससे संसार संचालित होता है।क्षण प्रतिक्षण हो रहे परिवर्तनों से ही दिन-रात, ऋतु परिवर्तन, सृजन, विनाश आदि कार्य सम्पादित होते रहते हैं। इसी विचार को केन्द्रित कर कविवर पन्त ने 'परिवर्तन कविता लिखी, जिसमें उन्होंने परिवर्तन के स्वरूप प्रकृति और महत्ता का वर्णन किया, लिखा- "आज का दुःख, कल का आह्लाद,/ और कल का सुख, आज विषाद;/ समस्या स्वप्न-गूढ़ संसार/ पूर्ति जिसकी उस पार!/ जगत जीवन का अर्थ विकास,/ मृत्यु गति-क्रम का ह्रास !"

पुरातन का त्याग और नवागत का स्वागत, यही सृष्टि और जीवन का सार है। ऐसा ही क्षण जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में जीवंत हुआ, जब माननीय कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने निवर्तमान कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय से कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर एक अभूतपूर्व आयोजन हुआ, जिसमें निवर्तमान कुलपति की विदाई और नवागत कुलपति का स्वागत किया गया। इस अवसर पर परिसर और सम्बद्ध महाविद्यालयों के शताधिक प्राध्यापक उपस्थित रहे।

अभिव्यक्ति की अपनी सीमा होती है, वह अनुभूति को पूर्णतया व्यक्त नहीं कर सकती। उस अवसर का सटीक वर्णन करना संभव नहीं है।

विश्वविद्यालय प्रगति पथ पर निरंतर अग्रसर है। इस क्रम में उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज से लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं लोक परम्परा के संरक्षण एवं संवर्धन के निमित्त मिलकर कार्य करने के लिए जेएनसीयू द्वारा ओएमयू करना एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन के साथ विश्वविद्यालय सह-शैक्षणिक, सामुदायिक विकास के लिए निरंतर कार्यक्रम चलाता रहता है। इस क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा क्षय रोगियों को गोद लेना, प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में उपहार वितरण, गाँवों में योग शिविर, स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर आदि विभिन्न कार्य किये गये, जिनका विवरण इस अंक में प्रस्तुत है।

हम आशान्वित हैं कि 'अन्वीक्षण' का यह अंक विश्वविद्यालय की गतिविधियों को सुधी पाठकों तक पहुँचाने में हमेशा की तरह कामयाब होगा। आप सभी के स्नेह का आकांक्षी ....

प्रमोद

डॉ0 (प्रमोद शंकर पाण्डेय)
सम्पादक

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया में दिनांक 14 मार्च को महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'रिथिंकिंग वीमेन एंपावरमेंट एंड चेंजिंग सोशल डायनेमिक्स इन द न्यू मिलेनियम' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि महिला दिवस पर महिलाओं को अपनी अपरिमित संचित शक्ति को पहचानने का प्रण लेना चाहिए। महिलाओं को उत्पीड़न का प्रतिकार करना चाहिए न कि रोना चाहिए। आपने कहा कि स्त्रियों को पुरुषों का अंधानुकरण नहीं करना चाहिए। महिलाएं विशिष्ट हैं और अपनी विशिष्टाओं पर उन्हें गौरवान्वित होना चाहिए। डॉ0 छबिलाल ने बताया कि महिलाओं के उत्थान में केवल महिलाओं का ही नहीं बल्कि पुरुषों का भी योगदान है। डॉ0 रंजना ने महिलाओं की उपलब्धियों के बारे में बताया। इस अवसर पर डॉ0 नीरज सिंह ने महिलाओं पर आधारित स्वरचित कविता का पाठ किया। डॉ0 रुबी ने एक डाक्यूमेंट्री दिखायी। वहीं डॉ0 सरिता ने प्रेरणादायक वीडियो का प्रदर्शन किया। प्रवीण, अनीश, कविता, अमीना खातून और सोनम यादव आदि विद्यार्थियों ने अपने भाषण में खेल, कारोबार, सिनेमा समेत विविध क्षेत्रों में शीर्ष पर पहुँची महिलाओं के बारे में बताकर उनके सशक्तिकरण को उदाहरण के रूप में स्थापित करने का

महिला दिवस पर मा0 कुलपति जी का सम्मान करती हुई डॉ0 प्रियंका सिंह

प्रयास किया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ0 प्रियंका सिंह और संयोजन डॉ0 स्मिता त्रिपाठी, डॉ0 रजनी चौबे, डॉ0 मनोज और डॉ0 प्रवीण ने किया। संचालन डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की ओर से पुष्प–सज्जा प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया जिसकी कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने सराहना की। इस अवसर पर समाज कार्य विभाग की ओर से आयोजित 'बेसिक अकाउंटिंग कोर्स' के प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किया गया।

क्षय रोग से बचाव हेतु जन जागरण अभियान

भारत सरकार द्वारा टी0वी0 मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत विश्व क्षय रोग दिवस, दिनांक 24 मार्च को 'निक्षय दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय के मार्गदर्शन व निदेशक, शैक्षणिक के निर्देशानुसार बसंतपुर ग्रामसभा के शिव मंदिर के प्रांगण में विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के द्वारा गाँवों में क्षय रोग (टी0वी0) बीमारी और उसके स्वास्थ्य परिणामों के बारे में जन जागरूकता अभियान चलाया गया। उल्लेखनीय है कि सन् 2025 तक भारत से टी0वी0 को जड़ से खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है। देश को क्षय रोग से मुक्ति दिलाने के लिए देश व प्रदेश में व्यापक पैमाने पर मुहिम चलायी जा रहा है । इस कार्यक्रम के अंतर्गत जेएनसीयू, बलिया द्वारा गोद लिए गए 10 गाँवों में क्षय रोगियों को चिह्नित कर गोद लिया जायेगा । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजकीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के वरिष्ठ अधिकारी डॉ0 धर्मेंद्र कुमार, प्रभारी एवं सुमित कुमार, पर्यवेक्षक उपस्थित रहें। हनुमानगंज ब्लॉक के चिकित्सक डॉ0 सुमित कुमार जी ने बताया कि टी0बी0 अब लाइलाज नहीं है, इसका इलाज संभव है। आपने बताया की टी0बी0 की बीमारी को ठीक होने में 6 से 8 माह का समय लगता है। टी0बी0 आमतौर पर धीरे–धीरे विकसित होने

क्षय रोग बचाव पर व्याख्यान देते हुए डॉ0 संजीव कुमार

वाली बीमारी है जिसका पता लगने में कई हफ्ते लग जाते हैं। सभी लोगों की भागीदारी से टी0बी0 जैसी बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सकता है। सरकार रोगियों को ₹ 500 तथा 6 महीनों की दवा निशुल्क दे रही है। समाज कार्य विभाग के डॉ0 संजीव कुमार ने बताया कि जिस प्रकार महिलाएं अपने परिवार, अपने बच्चों का ख्याल रखती हैं, उसी प्रकार उन्हें अपने स्वास्थ्य का भी अच्छी प्रकार से ख्याल रखना चाहिए, उन्हें पौष्टिक आहार लेना चाहिए तथा अपने लिए संतुलित आहार की व्यवस्था रखनी चाहिए। कार्यक्रम में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के द्वारा महिलाओं में स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पसारने के लिए महिलाओं को सेनेटरी पैड उपलब्ध कराये गये। कार्यक्रम का संचालन समाज कार्य विभाग के छात्र हरीश यादव द्वारा किया गया।

प्लास्टिक मुक्त परिसर अभियान का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग एवं G –20 के अम्बेस्डरों द्वारा माननीय कुलपति महोदया के मार्गदर्शन एवं समाज कार्य की विभागाध्यक्ष डॉ0 पुष्पा मिश्रा के निर्देशन में G–20 कार्यक्रम के अंतर्गत सुरहाताल एवं विश्वविद्यालय परिसर को प्लास्टिक मुक्त करने के लिए 'प्लास्टिक मुक्त परिसर अभियान' का आयोजन दिनांक 31 मार्च को किया गया। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के समाजकार्य, समाज शास्त्र व अन्य विभागों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस दौरान विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन, प्रशासनिक भवन, सुरहाताल एवं आस–पास की सड़कों पर बिखरे पॉलीथिन एवं अन्य कचरे को एकत्र कर सफाई की। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डॉ0 विजय शंकर पाण्डेय, डॉ0 प्रेम भूषण यादव, डॉ0 रुबी एवं अन्य प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

परिसर की सफाई करते छात्राएं

वीरेन्द्र सिंह 'धुरान' की गायकी पर संगोष्ठी को आयोजन

सम्मानित लोक कलाकारों के साथ माननीय कुलपति एवं प्राध्यापकगण

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के प्रशासनिक भवन स्थित जेपी सभागार में दिनांक 4 अप्रैल को भोजपुरी लोक संस्कृति एवं लोकगायन परम्पराः वीरेंद्र सिंह 'धुरान' का अवदान' विषयक संगोष्ठी का आयोजन चंद्रशेखर नीति अध्ययन केंद्र एवं शोधपीठ के तत्वावधान में किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो0 सुरेश शर्मा, निदेशक, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि लोक कलाओं का संरक्षण केवल सरकार की ही जिम्मेदारी नहीं है बल्कि यह हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। उत्तर प्रदेश की इतनी सशक्त लोक गायन परम्परा नारदीय शैली अगर उपेक्षित है तो इसके पीछे हमारी रागात्मकता में कमी रही है। हमने लोक से जुड़ाव नही रखा। मुख्य वक्ता श्री बृजमोहन प्रसाद 'अनारी' ने धुरान के व्यक्तित्त्व और कृतित्व का विस्तृत परिचय दिया और कहा कि धुरान जी लोक परम्परा के व्यास थे। नारदीय शैली के नामकरण के संदर्भ में आपने बताया कि सभी धार्मिक ग्रंथों में नारद एक सूत्रधार के रूप में मिलते हैं जिसके आधार पर किसी भी धार्मिक कथा का गायन हो सकता है, इसलिए कथा गायन की शैली को नारदीय शैली कहा गया। अध्यक्षीय व्यक्तव्य देते हुए कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि बलिया का एक समृद्ध सांस्कृतिक अतीत रहा है, उस परम्परा को आगे बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय कृतसंकल्पित है। आज का यह आयोजन उसी शृंखला की एक कड़ी है जिसके अंतर्गत हम 'धुरान' की गायकी परम्परा को संरक्षित करने का प्रयत्न करेंगे। कार्यक्रम के अंत में धुरान के शिष्यों उपेन्द्र यादव, तारकेश्वर ठाकुर एवं अक्षयवर एवं छाई पाण्डेय द्वारा धुरान जी के गाये हुये शिव विवाह, चैता, देशभक्ति आदि गीतों की प्रस्तुति की गयी। इस अवसर पर धुरान के पुत्र निर्भय नारायण सिंह और सभी कलाकारों को कुलपति द्वारा सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में स्वागत एवं बीज व्यक्तव्य प्रवीण नाथ यादव, संचालन डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 अशोक कुमार सिंह, निदेशक चन्द्रशेखर नीति अध्ययन केन्द्ररत शोधपीठ द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव, एस0एल0पाल, निदेशक, शैक्षणिक डॉ0 पुष्पा मिश्रा, प्रो0 प्रतिभा त्रिपाठी, प्रो0 फूलबदन सिंह, प्रो0 निवेदिता श्रीवास्तव, आशीष त्रिवेदी, परिसर के प्राध्यापकगण, विद्यार्थीगण एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहें।

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज के साथ एम0ओ0यू0

दिनांक 04 अप्रैल को आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज और जेएनसीयु. बलिया के मध्य एम0ओ0यू0 (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर भी किए गए । इस एम0ओ0यू0 के द्वारा दोनों संस्थान लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं लोक परम्परा के संरक्षण और संवर्धन के लिए मिलकर काम करेंगे। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने और उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज की ओर से निदेशक प्रो0 सुरेश शर्मा ने इस एम0ओ0यू0 पर हस्तक्षार किया।

एम0ओ0यू0 के साथ निदेशक, एन.सी.जेड.सी.सी. एवं मा0 कुलपति

अम्बेडकर जयंती का आयोजन

डॉ0 भीमराव आंबेडकर की 132वीं जयंती के अवसर पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में 'पं. दीनदयाल उपाध्याय तथा भीमराव आम्बेडकर के धर्म, राष्ट्रीयता एवं मानवता संबंधी विचार' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. रिपुसूदन सिंह, पूर्व संकायाध्यक्ष, भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ ने धर्म, रिलीजन और मजहब का अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि धर्म एक वृहद अवधारणा है। उन्होंने कहा कि भारत में धर्म की सनातन परंपरा रही है। पं. दीनदयाल उपाध्याय और डॉ0 भीमराव आंबेडकर दोनों ने ही उस सनातन धर्म की बात की है जो अनादि काल से अनवरत चला आ रहा है। दोनों ने ही पश्चिम के रिलीजन की अवधारणा को नकारा है। इसी सनातन धर्म पर राष्ट्रवाद और मानववाद की आधारशिला रखी गई है जिसमें 'सर्वे भवंतु सुखिनः' की कल्पना की गई है।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने मुख्य वक्ता के व्यक्तव्य को छात्रों और सभी के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक बताया। कहा कि इन महापुरूषों के विचारों को हम अपने जीवन और आदर्शों में उतारने की चेष्टा करें। कहा कि डॉ0 अंबेडकर और पं. दीनदयाल उपाध्याय जैसी विभूतियों के विचार सदैव एक मार्गदर्शक के रूप में समाज और राष्ट्र के विकास में अहम भूमिका निभाते रहेंगे। इस कार्यक्रम में स्वागत

अम्बेडकर जयंती पर मु0 अतिथि एवं मा0 कुलपति का स्वागत

संबोधन डॉ0 छबिलाल , विषय प्रवर्तन डॉ0 अनुराधा राय ने किया । डॉ0 रजनी चौबे ने पं0 दीनदयाल और आम्बेडकर के राष्ट्रवाद संबंधी विचारों का तुलनात्मक विश्लेषण किया । कार्यक्रम का संचालन वैभव कुमार द्विवेदी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 अभिषेक मिश्र ने किया।

जननायक चन्द्रशेखर जयंती का आयोजन

दिनांक 17 अप्रैल को जननायक चंद्रशेखर जी की 97वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के द्वारा मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय के नेतृत्व में विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों के प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने कंपनी बाग स्थित जननायक चंद्रशेखर की प्रतिमा पर श्रद्धा–सुमन अर्पित किये और उनकी स्मृतियों को नमन किया। यहाँ जननायक चंद्रशेखर जी के विचारों को भी प्रदर्शित किया गया और उन पर चलने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर श्री रविशंकर सिंह 'पप्पू', माननीय सदस्य, विधान परिषद, उत्तर प्रदेश भी उपस्थित थे।

चंद्रशेखर नीति अध्ययन केन्द्र एवं शोधपीठ के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सभागार में 'आदर्श राजनीति के पुरोधा श्री चंद्रशेखर' विषय पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्री रामविचार पाण्डेय, स्वतंत्रता सेनानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि चंद्रशेखर जी पूरे जीवन समाजवादी राजनीति को समर्पित रहें। उन्होंने हमेशा सिद्धांतों और मूल्यों की राजनीति की। गरीबी में बिताया अपना बचपन उन्हें कभी भूला नहीं। इसीलिए उन्होंने जनता की भूख, गरीबी और बेबसी को कम करने को ही लक्ष्य बनाया। विशिष्ट अतिथि श्री अखिलेश सिन्हा, प्रधानाचार्य, श्री मुरली मनोहर टाउन इण्टर कालेज, बलिया ने कहा कि चंद्रशेखर भारतीय राजनीति के कबीर थे। 'ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर' उनका स्वभाव था। इसीलिए वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी दलों द्वारा प्रतिष्ठित और समादृत राजनेता थे। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए

चन्द्रशेखर उद्यान में चन्द्रशेखर जी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्तित करती मा0 कुलपति एवं विश्वविद्यालय परिवार

कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जननायक चंद्रशेखर जी के मूल्यों और सिद्धांतों को निरंतर आगे बढ़ाने का कार्य करेगा। यहाँ के विद्यार्थी अपने जीवन में चंद्रशेखर जी के ही उच्च आदर्शों और लक्ष्यों को अपनाएंगे। स्वागत व्यक्तव्य प्रो. अशोक कुमार सिंह ने दिया। संचालन डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 अजय कुमार चौबे ने किया।

विश्व विरासत दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

विश्वविद्यालय के पर्यटन उत्कृष्टता केन्द्र के तत्वावधान में विश्व विरासत दिवस के अवसर पर 18 अप्रैल को सभागार में 'बलिया अनटोल्ड टेल्स ऑफ ए वंडर हेरिटेज (बलियाः अद्भुत विरासत की एक अनकही कहानी)' विषय पर एक कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 पृथ्वीश नाग, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने अपने उद्बोधन में बलिया को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए उपयोगी सुझाव दिये। आपने बताया कि सुरहा ताल के विश्वविद्यालय के तट से मैरिटार के तट तक नौकायन की सुविधा विकसित की जा सकती है, इसके चारों ओर रिंग रोड का निर्माण कर पर्यटकों के अनुकूल परिपथ का विकास किया जा सकता है। गंगा तट का हैबतपुर से ददरी मेला तक का क्षेत्र धार्मिक पर्यटन के अनुकूल है। यहाँ पर्यटन के लिए अनुकूल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की आवश्यकता है। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि बलिया की सांस्कृतिक–ऐतिहासिक विरासत अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इनकी सटीक पहचान, संरक्षण और विकास करने पर बलिया को देश के पर्यटन मानचित्र पर जगह दिलाई जा सकती है। इसके लिए संकुलों के माध्यम से कार्य प्रारंभ हो चुका है। जेएनसीयू परिसर को इस कार्य में केंद्रीय भूमिका निभानी होगी। विशिष्ट वक्ता प्रो0 अशोक कुमार सिंह, संकायध्यक्ष, कला, मानविकी व सामाजिक विज्ञान संकाय ने अपने संबोधन में बलिया के कटहर नाले के दोनों ओर सड़क के निर्माण के साथ विभिन्न तालों और ऐतिहासिक मंदिरों के विकास की बात उठाई।

संगोष्ठी को संबोधित करते डॉ0 पृथ्वीश नाग, मु0 अतिथि

प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को उपहार वितरण

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक विकास के लिए 10 गांवों को गोद लिया गया है। इनमें से एक गांव भीखपुर है जिसके प्राथमिक विद्यालय के 78 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 कल्पलता पांडेय द्वारा 19 अप्रैल को स्कूल बैग, शिक्षण सामग्री एवं उपहार वितरित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक कक्षा के प्रथम स्थान पाए विद्यार्थियों को कुलपति ने बधाई दी। इस अवसर पर कुलपति ने बच्चों को देश का भविष्य बताया, शिक्षा के प्रति जागरूक किया

विद्यार्थियों को उपहार देतीं मा0 कुलपति

और भविष्य के लिए एक लक्ष्य सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के शिक्षक श्री विजय चौहान ने ग्राम पंचायत एवं विद्यालय के विकास के लिए विश्वविद्यालय के इस पहल की सराहना की। तदुपरांत कुलपति ने आंगनबाडी केंद्र को बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी दिए। इस अवसर पर कुलपति द्वारा पौधरोपण भी किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग के तत्वावधान में आयोजित किया गया जिसमें सहायक आचार्य डॉ0 रूबी, डॉ0 प्रेमभूषण यादव की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकगण, ग्राम प्रधान श्रीमती धनवंती देवी, आँगनबाड़ी तथा विद्यालय के कर्मचारी, विद्यार्थी एवं समाजकार्य विभाग के विद्यार्थी सम्मिलित रहे।

कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय के निर्देशन में विश्वविद्यालय परिसर के सभागार में पीजीडीसीए विभाग द्वारा 'कंप्यूटर के अवयव' विषय पर एक व्याख्यान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 20 अप्रैल को किया गया। इसके अंतर्गत कंप्यूटर का इतिहास, कंप्यूटर का आरंभिक ज्ञान, कंप्यूटर के अवयव एवं कंप्यूटर के पुर्जों को सही तरीके से लगाने आदि का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 151 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रशिक्षक पीजीडीसीए के प्राध्यापक हर्ष त्रिपाठी रहे ।

कम्प्यूटर प्रशिक्षण देते हुए हर्ष त्रिपाठी, प्राध्यापक कम्प्यूटर साइंस

रक्तदान शिविर का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन में 25 अप्रैल को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए चिकित्सक डॉ. सुधीर श्रीवास्तव तथा डॉ0 ए0 के0 पाण्डेय ने बताया कि रक्तदान से रक्तचाप नियंत्रित रहता है। नये रक्त के निर्माण की प्रक्रिया तीव्र होती है तथा हार्ट अटैक की संभावनाएँ कम हो जाती हैं। कहा कि रक्त की पूरी जाँच होने के बाद ही दूसरे को रक्त दिया जाता है, जिससे रक्तदाता की बीमारियों का भी पता लगता है। रक्तदान सबसे बड़ा दान है, इससे किसी की जान बचाई जा सकती है। कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय द्वारा रक्तदाता विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के रक्तदान द्वारा कुल 15 यूनिट रक्त इकट्ठा किया गया। कुलसचिव एस0 एल0 पाल द्वारा इस शिविर के आयोजन की व्यवस्था की गयी और पुष्पा मिश्रा, निदेशक शैक्षणिक ने स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर शिविर के सफल आयोजन में केंद्रीय भूमिका निभाई। इस अवसर पर स्वास्थ्य

खनदान करते विद्यार्थी के साथ मा0 कुलपति एवं निदेशक, शैक्षणिक

विभाग की टीम में मनोज कुमार वर्मा,फार्मासिस्ट, अर्जुन मिश्रा, पप्पू यादव, राजेश कुमार, श्याम जी सिंह, विजय कुमार, विजय शंकर सम्मिलित रहे।

ग्रीष्मकालीन योग शिविर का उद्घाटन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के सभागार में दिनांक 03 मई को ग्रीष्मकालीन योग शिविर का उद्घाटन किया गया, जिसके अंतर्गत योग दिवस 21 जून तक प्रतिदिन प्रातः योगाभ्यास कराया जाएगा। इस शिविर में पोषाहार के महत्व को बताते हुए विभिन्न बीमारियों जैसे बीपी, हार्ट, एनीमिया आदि बीमारियों के ईलाज के लिए विशेष योगासनों का प्रशिक्षण विशेष प्रशिक्षकों द्वारा कराया जाएगा। इस शिविर के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि योगाचार्य चक्रवर्ती विजय नावड़ जी ने बताया कि योग अनुशासनबद्ध जीवन सिखाता है। योग में सूक्ष्म व्यायाम मुद्राओं तथा सांस लेने के सही तरीके को अपनाकर स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। आसान एवं प्राणायाम का अभ्यास योग्य गुरु के निर्देश में ही किया जाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि सत्यार्थ प्रकाश तिवारी ने बताया कि चिंता, तनाव, रक्तचाप आदि बीमारियों को आप अपनी श्वांस प्रक्रिया पर नियंत्रण कर दूर कर सकते हैं। रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए आपने कुछ सरल उपाय भी बताए। इस अवसर पर दोनों अतिथियों ने कुछ सरल योगाभ्यास एवं प्राणायाम भी करवाया। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने बताया कि आज हम अपने स्वभाव और स्वधर्म से दूर हो गए हैं। हमें अपनी मूल प्रवृत्तियों की ओर लौटना होगा तभी हम तनावमुक्त जीवन जी सकते हैं। यह

योग शिविर के उद्घाटन पर मु0 अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को सम्मानित करती मु0 कुलपति

सब योग के द्वारा ही संभव होगा। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रजनी चौबे ने किया जबकि स्वागत अखिलेश ,संचालन प्रमोद शंकर पांडेय एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव एस. एल.पाल ने किया।

गृह विज्ञान विभाग की प्रयोगशाला का उद्घघाटन

दिनांक 03 मई को कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय द्वारा गृह विज्ञान विभाग की प्रयोगशाला का उद्घघाटन किया गया जिसमें गृह विज्ञान विभाग की प्राध्यापिकाएं रंजना मल्ल, सौम्या , संध्या, तृप्ति तिवारी आदि की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं संम्बद्ध महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर की मेडिकल टीम के साथ निदेशक, शैक्षणिक एवं प्राध्यापकगण

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की कड़ी में जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर में 6 मई 2023 को हजारी प्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन में जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के व्यक्तियों की स्वास्थ्य सुरक्षा एवं जागरूकता हेतु स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य चिकित्साधिकारी, बलिया द्वारा संचालित किया गया। इसमें डॉ0 सिद्धार्थ मणि दुबे (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ0 शशि प्रकाश (चिकित्साधिकारी), डॉ0 फैसल खान (चिकित्साधिकारी), डॉ0 आंचल जायसवाल एवं शांति आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, वैना के मेडिकल टीम की भी उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम का उद्घघाटन कुलसचिव एस.एल.पॉल व निदेशक, शैक्षणिक डॉ0 पुष्पा मिश्रा द्वारा किया गया। इस शिविर के अन्तर्गत लगभग 200 व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें रक्तचाप, नेत्र जांच, मधुमेह, रक्त समूह , सर्दी–जुकाम , पेट आदि की जांच की गई तथा रोगियों को आवश्यक दवाइयां भी वितरित की गई। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापक, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उक्त कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग के डॉ0 संजीव कुमार तथा डॉ0 रूबी के साथ विद्यार्थियों ने स्वयंसेवक के रूप में सहभाग किया।

कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता द्वारा कार्यभार ग्रहण और निवर्तमान कुलपति की विदाई समारोह

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्त ने दिनांक (15 मई) को कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर निवर्तमान कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय की विदाई के लिए जेएनसीयू और संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक संगठन (जनकुआक्टा) के द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई के इस अवसर पर प्रो. कल्पलता पाण्डेय ने अपने कार्यकाल की स्मृतियों को साझा किया। कहा कि इस विश्वविद्यालय को मैंने एक तीन बरस के बच्चे के रूप में अपनाया था और अब इसे छः बरस के बच्चे के रूप में छोड़ कर जा रही हूँ। मैंने इस विश्वविद्यालय को अपने एक परिवार के रूप में देखा है, इसलिए इससे बिछुड़ना असहज कर रहा है। लेकिन यह संतोष है कि यह विश्वविद्यालय अब अपने पैरों पर खड़ा होने लायक हो गया है। इस अवसर पर नवागत कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि मैं एक शिक्षक हूँ और आप सबके साथ मिलकर जेएनसीयू के विकास के लिए कार्य करूँगा। इस विश्वविद्यालय के ध्येय वाक्य में सम्मिलित है कि साथ चलें, साथ बोलें और हमारा मन एक हों। हमें इस तीसरे बिंदु पर ध्यान देने की जरूरत है। मेरे दरवाजे हर समय आपके लिए खुले रहेंगे। इस अवसर पर डॉ. नीरज कुमार सिंह, सहायक आचार्य, अंगरेजी विभाग के काव्य संग्रह का लोकार्पण प्रो. कल्पलता पाण्डेय के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन

नवागत कुलपति द्वारा कार्यभार ग्रहण

कर रहे महामंत्री डॉ अवनीशचंद्र पाण्डेय ने शिक्षक हितों के संरक्षण की बात की। अध्यक्ष प्रो अखिलेश राय ने शिक्षक संघ और समस्त शिक्षकों की ओर से नवागत कुलपति का स्वागत किया। कुलसचिव एस0एल0 पाल ने सबका धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. अजय चौबे, डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय, प्रो0 जैनेंद्र पाण्डेय, प्रो0 साहेब दूबे, प्रो0 आर एन मिश्र, प्रो0 बैकुंठनाथ, प्रो0 अंजनी सिंह, प्रो0 नीरजा सिंह आदि प्राचार्य, परिसर के प्राध्यापक, शिक्षक संघ के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

कुलपति का स्वागत समारोह

दिनांक 17 मई को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने नवागत कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता के स्वागत में एक समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर कुलपति का तिलक एवं पुष्पवर्षा के द्वारा भारतीय परम्परा के अनुसार स्वागत किया गया। तत्पश्चात कुलपति एवं उनकी अर्धांगिनी डॉ0 नीरा गुप्ता ने दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती तथा जननायक चंद्रशेखर के चित्र पर पुष्पार्चन किया। जेएनसीयू के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कुलपति एवं उनकी अर्धांगिनी को अंगवस्त्र, प्रतीक चिह्न, पौधा एवं पुष्पगुच्छ देकर कुलपति को सम्मानित किया एवं द्वीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कुलपति का स्वागत करते हुए डॉ0 पुष्पा मिश्रा, निदेशक, शैक्षणिक ने कहा कि कोई भी विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध एवं प्रसार के द्वारा ही अपनी पहचान स्थापित करता है, माननीय कुलपति जी के दिशा निर्देशन में जेएनसीयू भी अपनी पहचान वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा। ऐसी हमें उम्मीद है। डॉ0 अजय चौबे, अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग ने कहा कि बलिया ऋषियों, महर्षियों की धरती है, यहाँ साहित्य और ज्ञान की एक परंपरा रही है, आपके नेतृत्व में विश्वविद्यालय इस परंपरा को और आगे ले जायेगा। डॉ0 सरिता पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर, अंग्रेजी ने कहा कि विश्वविद्यालय रूपी नौका के केवट कुलपति जी हैं, उन्हीं के प्रयत्नों से हम निरंतर आगे बढ़ेंगे। डॉ0 शैलेंद्र सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, इतिहास ने कहा कि व्यक्ति के आने के पूर्व ही उसके व्यक्तित्व का आगमन हो जाता है। कुलपति जी के आने के

विश्वविद्यालय परिसर में मा0 कुलपति को सम्मान

पूर्व ही एक सकारात्मक ऊर्जा हमें मिलनी शुरू हो गयी है। कुलपति जी ने कहा कि यह स्वागत समारोह नहीं बल्कि संकल्प समारोह है। इस अवसर पर आप सबने और मैंने एक संकल्प लिया है कि विश्वविद्यालय और समाज के विकास के लिए प्राणपण से कार्य करेंगे। हमें एकजुट होकर मिशन मोड में विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करना होगा। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव श्री एस0एल0 पाल ने किया। डॉ0 अमृत आनंद, डॉ0 अमित सिंह, डॉ0 करुणेश दुबे ने भी अपने विचार रखे। कमलेश ने एक स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर परिसर के प्राध्यापक, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

योग उत्सव कार्यक्रम का आयोजन

'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस– 2023' के आयोजन के क्रम में जेएनसीयू द्वारा 3 मई से 21 जून तक ग्रीष्मकालीन योग शिविर का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में विद्यार्थियों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 15 मई से 19 मई तक 'योग उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण में 'योग और स्वास्थ्य' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में 5 विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डॉ. गुंजन व डॉ. अभिषेक त्रिपाठी के संयोजन में आयोजित काव्य एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम वैभव द्विवेदी, द्वितीय सूफिया परवीन व तृतीय प्रियंका यादव रहे। डॉ. रामसरन एवं डॉ. प्रज्ञा बौद्ध के संयोजकत्व में आयोजित भाषण एवं वाद– विवाद प्रतियोगिता में प्रथम मो. खालिद, द्वितीय सुमित सिंह व तृतीय खुशबू वर्मा रहे। डॉ. छबिलाल एवं डॉ. अभिषेक त्रिपाठी के संयोजकत्व में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रथम प्रियंका यादव, द्वितीय वैभव द्विवेदी व तृतीय सूफिया परवीन रहे। सुश्री सौम्या तिवारी व डॉ. संध्या के संयोजकत्व में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम खुशबू, द्वितीय सुहानी पाण्डेय व तृतीय श्वेता रहे। डॉ. अखिलेश के संयोजकत्व में आयोजित योगासन प्रतियोगिता में प्रथम अनामिका सिंह, द्वितीय यश पाण्डेय व अश्विनी संयुक्त रूप से व तृतीय रश्मि तिवारी रहे। इस पंचदिवसीय कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. प्रियंका सिंह थीं। डॉ. पुष्पा मिश्रा, निदेशक, शैक्षणिक के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों ने प्रतियोगिताओं में सहभाग करने वाले तथा विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी।

योगासन प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी

युवा संसद का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा परिसर में युवा संसद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने लोकसभा की संसदीय प्रणाली का अनुकरण करते हुए 'समान नागरिक संहिता' विषय पर बहस की। भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न सांसदों की भूमिकाओं को निभाते हुए अपनी तर्कशक्ति और चिंतन प्रक्रिया का सफल परिचय दिया। सभापति की भूमिका वैभव द्विवेदी और उप सभापति की भूमिका प्रवीण यादव ने निभाई जबकि संसदीय नियमों की जानकारी अनीश सिंह ने दी।

'युवा संवाद' कार्यक्रम के प्रतिभागी विद्यार्थी

मुख्य अतिथि विजय प्रताप सिंह, ग्राम प्रधान, बसंतपुर ने कहा कि ऐसे आयोजनों से देश के बहुदलीय लोकतंत्र के विकास में मदद मिलेगी। आयोजन सचिव डॉ0 रजनी चौबे, असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान ने संसद को प्रभावी बनाने तथा युवाओं को संसदीय प्रणाली की विशेषताएँ बताने के लिए इसे महत्त्वपूर्ण बताया।

इस कार्यक्रम में स्वागत डॉ0 पुष्पा मिश्रा, निदेशक, शैक्षणिक तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. छबिलाल ने किया। विद्यार्थियों को उत्साहित करने के लिए परिसर के प्राध्यापक डॉ0 प्रियंका सिंह, डॉ0 अजय चौबे, डॉ0 अनुराधा राय आदि उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

यूनिवर्सिटी गेम्स के मशाल का स्वागत

'खेलो इंडिया' के अंतर्गत इस वर्ष यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन उत्तर प्रदेश में होना है, जिसके आयोजन का मशाल विभिन्न जनपदों से होते हुए आज दिनांक 19 मई, 2023 को बलिया जनपद में पहुँचा। इस मशाल के जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर में पहुँचने पर एक जागरूकता समारोह का आयोजन परिसर के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में सहभाग करते हुए श्री डी0 के0 सिंह, जिला उद्यान अधिकारी ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक, मानसिक तथा भावनात्मक विकास के साथ सामाजिक संतुलन और सहयोग के भाव के विकास में सहायक होता है। यूनिवर्सिटी स्तर पर होने वाले इन खेलों से युवाओं के अंदर छिपी हुई प्रतिभाओं को खोजने और उन्हें संवारने में मदद मिलेगी। रामसरन यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र ने 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम के आरंभ, इतिहास और उद्देश्य के बारे में विस्तृत चर्चा की। कहा कि इससे ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताओं के लिए युवा प्रतिभाओं को तराशने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. छबिलाल ने किया। इस अवसर पर श्री धीरेंद्र सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी, प्रिंस, खेलो इंडिया के एम्बेसेडर तथा कुलसचिव श्री एस0एल0 पाल तथा परिसर के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के खेल समिति के सदस्यों डॉ0 अभिषेक त्रिपाठी, डॉ0 मनोज कुमार एवं डॉ0 प्रवीण नाथ यादव ने इस कार्यक्रम के आयोजन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन खेलों के शुभंकर जीतू के रूप में पम्मू ने युवाओं का दिल जीत लिया, जिसके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए विद्यार्थियों में अतिशय उत्साह देखा गया।

यूनिवर्सिटी गेम्स के शुभंकर के साथ परिसर के प्राध्यापकगण

गाँवों में योग शिविर का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन व निदेशक,शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा के निर्देशानुसार समाज कार्य विभाग द्वारा ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए जीरा बस्ती, बसंतपुर, भरतपुरा, भीखपुर तथा ब्रम्हाइन गांव में योग शिविर–सह–जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 20– 25 मई को किया गया। इस योग शिविर में लगभग 450 गर्भवती, धात्री महिलाओं एवं किशोरियों ने हिस्सा लिया, जिन्हें योग प्रशिक्षक यश पाण्डेय (योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विभाग) द्वारा अनुलोम–विलोम, भ्रामरी आदि प्राणायाम, सरल योगासन एवं सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया गया तथा नियमित योगाभ्यास से होने वाले लाभों की जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, दिल का दौरा, लकवा आदि अन्य गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है।

योगासन करतीं ग्रामीण महिलाएँ

इस योग शिविर कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों तेजस्वी सिंह, सोनी यादव, शिप्रा श्रीवास्तव, खुशबू तिवारी, अनुप्रिया, अर्चना, प्रदीप कुमार गुप्ता, गौरव राय, अमन गुप्ता, विशाल यादव एवं नीलशिवम ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जेएनसीयू ने क्षय रोगियों को गोद लिया

'क्षय रोग मुक्त उत्तर प्रदेश' अभियान के अंतर्गत जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन व शैक्षणिक निदेशिका डॉ0 पुष्पा मिश्रा के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग द्वारा बेरुआरबारी ब्लॉक के अपायल गांव में 2 क्षय रोगियों को गोद लिया गया। बेरुआरबारी ब्लॉक के चिकित्सक डॉ. अजय प्रताप (एसटीएस), अपायल के हेल्थ वेलनेस सेंटर की डॉ0 रेनू गुप्ता (कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर) ने बताया कि टी.बी. अब लाइलाज बीमारी नहीं है। इसका इलाज संभव है। इसे ठीक होने में 6 से 8 माह का समय लगता है लेकिन मरीज पूर्णतः ठीक हो जाता है। सामूहिक भागीदारी से टी.बी. जैसी बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सकता है। समाज कार्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि सरकार द्वारा टी.बी. को 2025 तक जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया गया है।

इस क्रम में डॉ0 पुष्पा मिश्रा, निदेशक, शैक्षणिक और

क्षय रोगियों को गोद लेते परिसर के प्राध्यापक

डॉ0 रूबी, असिस्टेंट प्रोफेसर,समाज कार्य द्वारा 1–1 क्षय रोगी को गोद लिया गया और उन्हें 'पोषण पोटली' प्रदान की गई जिसमें प्रोटीन युक्त खाद्य सामग्री थी।

इस अवसर पर आशा कार्यकर्ती उर्मिला वर्मा तथा समाज कार्य विभाग के छात्रगण प्रदीप गुप्ता, सोनी यादव, गौरव राय, अमन गुप्ता एव हरीश यादव उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम

सम्बद्ध महाविद्यालय द्वारा विशेष शिविर में रैली का आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया से सम्बद्ध महाविद्यालय 01 मार्च से 31 मई तक निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

20 फरवरी से 06 मार्च तक द्वितीय फेज विशेष शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 15 महाविद्यालयों ने अपने–अपने गोद लिए गए गाँवों की चिन्हित मलिन वस्तियों में दिवा–रात्रि विशेष शिविर का आयोजन किया। कैम्प के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकाली गयी। स्वयंसेवक/सेविकाओं एवं गाँव के लोगों को सड़क पर सुरक्षित किस तरीके से चला जाए इसके संदर्भ में विशेष जानकारियां दी गयी। बौद्धिक सत्रों का भी आयोजन किया गया जिसमें महिला सशक्तीकरण इत्यादि विषयों पर नाटकों का मंचन किया गया। आत्मनिर्भर युवा और भारत विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इन गोष्ठियों के माध्यम से स्वयंसेवक/सेविकाओं को बताया गया कि जब तक भारत के युवा स्वयं का रोजगार नहीं करेंगे तब तक भारत के युवा आत्मनिर्भर नहीं होंगे, क्योंकि स्वयं के रोजगार के माध्यम से बहुत सारे युवाओं को रोजगार मुहैया कराते हैं। इसलिए नौकरी के तरफ उन्मुख न होकर स्वयं के रोजगार करने के लिए उन्हें प्रेरित किया गया। धुम्रपान से हानि एवं बचाव विषय पर भी गोष्ठियों का आयोजन किया गया। इनके माध्यम से लोगों को बताया गया कि धुम्रपान मानव जीनव के लिए काफी अहितकर है। इससे पुरा घर–परिवार उजड़ जाता है साथ–ही–साथ सामाज पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। स्वच्छता जागरूकता रैलियों का भी आयोजन किया गया। इस रैली के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इसके माध्यम से बताने का प्रयत्न किया गया कि स्वच्छ समाज में ही स्वच्छ वातावरण का निर्माण होता है। मानव जीवन निरोग होता है जिससे कि स्वस्थ शरीर

सम्बद्ध महाविद्यालय द्वारा विशेष शिविर के अन्तर्गत बौद्धिक का आयोजान

होता है, स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है, इसलिए स्वच्छता सर्वोपरि है। पर्यावरण संरक्षण विषय पर भी गोष्ठियों एवं रैलियों का आयोजन किया गया। इस पृथ्वी पर रहने वाले मानव के हित के लिए यह आवश्यक है कि इको सिस्टम को मेन्टेन किया जाए क्योंकि प्रकृति ने सभी प्राणियों का निर्माण मानव के हित के लिए किया है। परन्तु हम अपने निहित स्वार्थ के वश में पृथ्वी पर रहने वाले तमाम जीव–जन्तुओं की निर्ममतापूर्वक हत्या कर रहे हैं जिससे पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है जो मानव जीवन के लिए खतरे का घण्टी है, इसलिए रैली के माध्यम से लोगों को इसके प्रति जागरूक किया गया कि अभी से जगिए और पर्यावरण को संरक्षित कीजिए। प्लास्टिक उन्मूलन पर रैलियों का आयोजन। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/सेविकाओं द्वारा भारत सरकार के मंशा के अनुसार सिंगल यूज्ड प्लास्टिक के निस्तारण के लिए लोगों को जागरूक किया गया, यह बताया गया कि सिंगल यूज्ड प्लास्टिक मानव के स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक है, इसके उपयोग से बचा जाए। इन कार्यक्रमों का आयोजन गौरीशंकर राय कन्या महाविद्यालय करनई, राधामोहन किसान मजदूर पी0जी0 कालेज नियामतपुर कंसो, किसान महाविद्यालय रकसा रतसड़, देवेन्द्र पी0जी0 कालेज बेल्थरारोड, राजनरायण महाविद्यालय भीमपुरा, दूजा देवी महाविद्यालय रजौली, शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय बलिया, बजरंग स्नातकोतर महाविद्यालय दादर आश्रम, स्वामीनाथ सुरेन्द्र महाविद्यालय धरमपुर काजीपुर बलिया, अमरनाथ मिश्र स्नातकोतर महाविद्यालय दुबे छपरा, द्वारिका प्रसाद सिन्हा महिला महाविद्यालय रजवारवीर, गोपाल जी महाविद्यालय रेवती, श्रीनाथ बाबा महाविद्याल इसारी सलेमपुर, डी0एस0 मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कालेज रतसड़ बलिया एवं अन्य महाविद्यालयों द्वारा आयोजित किया गया। 6 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना दिवस, राष्ट्रीय सेवा योजना से सम्बन्धित महाविद्यालयों द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 14 अप्रैल को अम्बेडकर जी की जयन्ती का आयोजन किया गया। इसमें अम्बेडकर जी के जीवन पर विशेष रूप से चर्चा की गयी साथ–ही–साथ भारत के निर्माण में उनके द्वारा संविधान के निर्माण में किये गये विशेष योगदानों पर भी विद्वानों द्वारा चर्चा की गयी।

रोवर्स/रेंजर्स के कार्यक्रम

रोवर्स/रेंजर्स समागम में मार्चपास्ट की सलामी लेतीं मा0 कुलपति

परंपरागत परिधानों से सुसज्जित छात्र–छात्राओं की टोलियां, सधे अंदाज में होते कदमताल, तालियों की गड़गड़ाहट के बीच आतिशबाजी से निकली रंग बिरंगी फुलझड़ियों के साथ 19 मार्च को श्री मुरली मनोहर टाउन स्नाकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में हुआ दो दिवसीय जनपदीय रोवर्स रेंजर्स रैली (समागम) का आगाज हुआ। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कल्पलता पांडेय ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम के शुरुआत की घोषणा की इसी के साथ शुरू हो गया रोवर्स, रेंजर्स छात्र–छात्राओं के प्रदर्शन का सिलसिला। पूरे दिन चले कार्यक्रम में रोवर्स रेंजर्स ने अपनी टीमों के प्रदर्शन को उत्कृष्ट बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मेजबानी कर रहे टाउन महाविद्यालय की रोवर्स रेंजर्स टीम की अगुआई में विभिन्न महाविद्यालयों से जुटी टीमों ने मार्च पास्ट कर स्काउट झंडे व मुख्य अतिथि को सलामी दी। साथ ही संगीत विभाग के छात्रों ने सरस्वती वंदना, स्वागत व कुलगीत प्रस्तुत किया। इसके बाद शुरू हुए कार्यक्रमों के दौर में छात्र–छात्राओं ने लघु नाटक कैंप फायर (लोकगीत– लोकनृत्य) का आकर्षक मंचन प्रस्तुत किया। टीमों के बीच प्राथमिक सहायता, निबंध, पायनरिंग

प्रोजेक्ट, पोस्टर, क्विज व निबंध आदि प्रतियोगिताएं संपन्न कराई गई। इसके अतिरिक्त रोवर्स रेंजर्स ने नाइट स्काउटिंग, क्रू टीम इन काउंसिल, कलर पार्टी (ध्वज शिष्टाचार एवं पासिंग आउट परेड) आदि का प्रदर्शन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति कल्पलता पांडेय ने रोवर्स रेंजर्स टीम का उत्साहवर्धन करते हुए अपनी संचित ऊर्जा का उपयोग समाज हित में करने पर जोर दिया।महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रवीन्द्रनाथ मिश्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि बच्चों का विकास पढ़ाई के साथ–साथ सांस्कृतिक और सामाजिक कामों में हिस्सा लेकर हो सकता है। आयोजन सचिव प्रोफेसर धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि रोवर्स रेंजर्स हमारे जीवन में बहुत ही आवश्यक अंग होता है यह हमें लोगों में समाज सेवा के साथ–साथ लोगों की सेवा तथा लोगों को उठने बैठने तथा संयमित रूप से अपनी दिनचर्या जीने का भी राह दिखाता है। प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव ने सभी से एक अच्छे रोवर्स रेंजर्स बनने की अपील की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस मौके पर टाउन महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ0 दिलीप श्रीवास्तव, सतीश चंद्र महाविद्यालय के प्रचार्य डॉ0 वैकुंठ नाथ पांडेय, जनपदीय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो0 अखिलेश राय, महामंत्री डॉ0 अवनीश पांडेय, प्रो0 अमलदार नीहार, प्रोफेसर जैनेंद्र पांडेय,प्रो अशोक कुमार सिंह, प्रोफेसर बृजेश कुमार सिंह,रोवर्स प्रभारी डॉ0 संदीप कुमार पांडेय,डॉ सुबोध मणि त्रिपाठी,रेंजर्स प्रभारी डॉ सुनीता चौधरी ,सहायक जिला आयुक्त निर्भय नारायण सिंह सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक व छात्र उपस्थित थे। मंच का संचालन प्रोफेसर दयालानन्द राय ने किया। कार्यक्रमों का संचालन नौशाद अली ने किया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन स्काउट गाइड जिला मुख्यालय आयुक्त प्रो0 निशा राघव ने दिया।

श्री मुरली मनोहर टाउन पी.जी.कॉलेज, बलिया में जनपदीय रोवर्स रेंजर्स समागम कार्यक्रम का दो दिवसीय कार्यक्रम का आज भव्य समापन समारोह 20 मार्च की हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ।मुख्य अतिथि प्रबंध समिति के सचिव सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया इस दौरान उन्होंने कहा कि सेवा, अनुशासन, कर्म की प्रधानता से युक्त इस मंच की सार्थकता आपके जीवन में तभी आएगी जब यहां से प्राप्त शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रेषित करें। जिससे उनके जीवन में प्रकाश की किरणें प्रज्ज्वलित हों। व्यक्तित्व निर्माण का मंच आपसे अपेक्षा करता है कि एकता और अखंडता को कायम रखते हुए राष्ट्र की समसामयिक समस्याओं, अंधविश्वास, कुरीतियों और परंपराओं के नाम पर समाज में बाधक समस्याओं को सफलतापूर्वक कम करें और दूर करने में सहायक हों। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 रवींद्र नाथ मिश्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सेवा के बदले समाज की ओर से प्रशंसा और तिरस्कार दोनों मिलता हैं। यह एक कठिन कार्य होता है लेकिन सेवा देने वाले व्यक्ति के अन्दर एक विशेष उर्जा व आनंद की अनुभूति भी होती है। रोवर्स रेंजर्स का आदर्श ही है कि समाज की सेवा के लिए सदैव तैयार रहो। आयोजित दो दिवसीय जनपदस्तरीय इस समागम में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों की रोवर्स की 4 टीमें तथा रेंजर्स की 6 टीमों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान रोवर्स रेंजर्स ने टेंट, पुल, कैंप फायर, प्राथमिक चिकित्सा, स्किल ओरमा, इको रेस्टोरेशन एवं अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया।आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में श्री मुरली मनोहर टाउन पी.जी. कालेज के रोवर्स रेंजर्स विजेता रहा। इसी क्रम में द्वितीय स्थान किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, तृतीय स्थान सतीशचंद्र कॉलेज को प्राप्त हुआ। इसी क्रम में रेंजर्स में भी आल ओवर विजेता श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज रहा। इसी क्रम में द्वितीय स्थान कुंवर सिंह महाविद्यालय,तृतीय स्थान सतीश चंद्र महाविद्यालय की रेंजर्स रहीं।इस मौके पर टाउन महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ0 दिलीप श्रीवास्तव,सुदृष्टिपुरि महाविद्यालय के प्राचार्य डा. श्रीराम शर्मा, जनपदीय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रोफेसर अखिलेश राय,महामंत्री डा.अवनीश पांडेय, प्रो अमलदार नीहार, प्रोफेसर जैनेंद्र पांडेय,प्रो अशोक कुमार सिंह,प्रोफेसर फुलवदन सिंह, प्रोफेसर बृजेश कुमार सिंह,प्रोफेसर बृजेश सिंह 'त्यागी' डॉ0 संदीप कुमार पांडेय, डॉ0 सुनीता चौधरी, डॉ0 सुबोधमणि त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक व छात्र उपस्थित थे। मंच का संचालन प्रोफेसर जैनेंद्र पांडेय ने किया। कार्यक्रमों का संचालन सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त, आजमगढ़ मंडल नौशाद अली ने किया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन स्काउट गाइड जिला मुख्यालय आयुक्त प्रोफेसर निशा राघव ने दिया।

Inauguration of Theatre Cell

The inauguration of the theatre (KalpRang) of Jananayak Chandrashekhar University was held on 17 April 2023 on the occasion of Jananayak Chandrashekhar ji's Jayanti by the theatre cell. The topic of the one day seminar was "Chandrashekhar: Ek Jeevan Yatra/Adarsh Rajneeti ke Purodha: Chandrashekhar" and it was organized by the Chandrashekhar Niti Kendra evam Shodh Peeth. The theatre was inaugurated by the Chief Guest, Shri Ram Vichar Pandey ji, Guest of honor, Shri Akhilesh Kumar Sinha ji and Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Kalplata Pandey ji. An inspiring mono act play on our freedom fighter 'Shaheed-e-Azam Bhagat Singh' was enacted by the renowned theatre artist Shri Ashish Trivedi ji along with his other six teammates. The introduction of the theatre cell, JNCU was given by Dr Sarita Pandey and the vote of thanks was given by Dr Abhishek Mishra. The compering was done by Mr Vaibhav Dwivedi. The organising team Dr Sandeep Yadav, Dr Anuradha Rai, Dr Abhishek Tripathi and Dr Sandhya made all possible efforts to make the programme highly successful. Around 150 audience were present and they applauded and appreciated this initiative and wished for more such theatrical events.

मीडिया में विश्वविद्यालय

10 गांवों में क्षय रोगियों को गोद लेगा विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, बलिया : विश्व क्षय रोग दिवस शुक्रवार को निक्षय दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जननायक चंद्रशेखर विवि की कुलपति प्रो. कल्पलता पांडेय व शैक्षणिक निदेशक डा. पुष्पा मिश्रा के मार्गदर्शन में बसंतपुर में शिव मंदिर के प्रांगण में जागरूकता अभियान चलाया गया। निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 10 गांवों में चिन्हित क्षय रोगियों को गोद लिया जाएगा। हनुमानगंज ब्लाक के चिकित्सक डा. सुमित कुमार ने कहा कि टीबी अब लाइलाज नहीं है। इसका इलाज संभव है। इस बीमारी को ठीक होने में छह से आठ माह का समय लगता है। शिवानंद मिश्र, डा. रुबी, डा. प्रेमभूषण यादव, अमृतांशु श्रीवास्तव, अर्चना, प्रदीप सिंह, आशीष वर्मा, विशाल, शिप्रा श्रीवास्तव, रोहित आदि मौजूद रहे।

जेएनसीयू ने क्षय रोगियों को गोद लिया

संवाददाता
बलिया। क्षय रोग मुक्त उत्तर प्रदेश अभियान के अंतर्गत जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन व शैक्षणिक निदेशिका डॉ. पुष्पा मिश्रा के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग द्वारा बेरुआरबारी ब्लॉक के अखार गांव में 2 क्षय रोगियों को गोद लिया गया। बेरुआरबारी ब्लॉक के चिकित्सक डॉ. अजय प्रताप (एसटीएस), अखार के हेल्थ वेलनेस सेंटर की डॉ. रेनू गुप्ता (कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) ने बताया कि टीबी अब लाइलाज बीमारी नहीं है। इसका इलाज संभव है। इसे ठीक होने में 6 से 8 माह का समय लगता है लेकिन मरीज पूर्णतः ठीक हो जाता है। सामूहिक भागीदारी से टीबी जैसी बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सकता है। समाज कार्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि सरकार द्वारा टीबी को 2025 तक जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया गया है। इस क्रम में डॉ. पुष्पा मिश्रा निदेशक, शैक्षणिक और डॉ. रूबी असिस्टेंट प्रोफेसर, समाज कार्य द्वारा 1-1 क्षय रोगी को गोद लिया गया और उन्हें न्यूट्रिशन पोटली प्रदान की गई जिसमें प्रोटीन युक्त खाद्य सामग्री थी। इस अवसर पर आशा कार्यकर्त्री उर्मिला वर्मा तथा समाज कार्य विभाग के छात्र प्रदीप गुप्ता, सोनी यादव, गोविंद राय, अमन गुप्ता एवं हरीश यादव उपस्थित रहे।

रक्तदान सबसे बड़ा दान है: डॉ. ए के पांडेय

पूर्वांचल राज्य ब्यूरो
बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के अकादमिक भवन में मंगलवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए चिकित्सक डॉ. सुधीर श्रीवास्तव तथा डॉ. ए. के. पांडेय ने बताया कि रक्तदान से रक्तचाप नियंत्रित रहता है। नये रक्त के निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र होती है तथा हार्ट अटैक की संभावनाएं कम हो जाती हैं। रक्त की पूरी जाँच होने के बाद ही दूसरों को रक्त दिया जाता है, जिससे रक्तदाता को बीमारियों का भी पता लगता है। रक्तदान सबसे बड़ा दान है। कुलपति प्रो. कल्पलता पाण्डेय द्वारा रक्तदाता विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर कुल 14 यूनिट रक्त इकट्ठा किया गया। शिविर के कुलसचिव एस. एल. पाल द्वारा इस शिविर के आयोजन की व्यवस्था की गई और पुष्पा मिश्रा, निदेशक शैक्षणिक ने स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर शिविर के सफल आयोजन में केंद्रीय भूमिका निभाई।

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय ,बलिया में वीरेंद्र सिंह 'धुरान' का अवदान विषयक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

पूर्वांचल राज्य ब्यूरो
बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के प्रशासनिक भवन स्थित सभागार में मंगलवार दिनांक 4 अप्रैल को भोजपुरी लोक संस्कृति एवं लोकायतन परम्परा : वीरेंद्र सिंह धुरान का अवदान विषयक संगोष्ठी का आयोजन चंद्रशेखर नीति अध्ययन केंद्र एवं शोधपीठ के तत्वावधान में किया गया। ...

जेएनसीयू के नवनियुक्त कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने किया कार्यभार ग्रहण

पूर्वांचल राज्य ब्यूरो
बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण किया। ...

5 दै. समाज जागरण — बलिया

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में योग के प्रति जागरूकता के लिए योग उत्सव

शशिकांत ओझा, ब्यूरो चीफ, समाज जागरण

बलिया : 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस- 2023' के आयोजन के क्रम में जेएनसीयू द्वारा 03 मई से 21 जून तक ग्रीष्मकालीन योग शिविर का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में विद्यार्थियों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में 'योग उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण में 'योग और स्वास्थ्य' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में पांच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डॉ. गुंजन व डॉ. अभिषेक त्रिपाठी के संयोजन में आयोजित काव्य एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम वैभव द्विवेदी, द्वितीय सुचिता पाण्डेय व तृतीय प्रियंका यादव रहे। डॉ. रामसरन एवं डॉ. प्रज्ञा बौद्ध के संयोजकत्व में आयोजित भाषण एवं वाद- विवाद प्रतियोगिता में प्रथम मो. खालिद, द्वितीय सुमित सिंह व तृतीय खुशबू वर्मा रहे। डॉ. छबिलाल एवं डॉ. अभिषेक त्रिपाठी के संयोजकत्व में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रथम प्रियंका यादव, द्वितीय वैभव द्विवेदी व तृतीय सुचिता पाण्डेय रहे। ... इस पंचदिवसीय कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. प्रियंका सिंह थीं। डॉ. पुष्पा मिश्रा, निदेशक, शैक्षणिक के नेतृत्व में विभिन्न प्राध्यापकों ने प्रतियोगिताओं में सहभाग करने वाले तथा विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी।

जीएनसीयू में हुआ ग्रीष्मकालीन योग शिविर का उद्घाटन

पूर्वांचल राज्य
बलिया ब्यूरो। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के सभागार में बुधवार को ग्रीष्मकालीन योग शिविर का उद्घाटन किया गया, जिसके अंतर्गत योग दिवस 21 जून तक प्रतिदिन प्रातः योगाभ्यास कराया जाएगा। ...

जेएनसीयू के समाज कार्य विभाग द्वारा गाँवों में योग शिविर का आयोजन

पूर्वांचल राज्य
बलिया ब्यूरो। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन व निदेशक, शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा के निर्देशानुसार समाज कार्य विभाग द्वारा ...

प्रो. संजीत कुमार गुप्ता बने जेएनसीयू के कुलपति

बेरुआरबारी। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा प्रो. संजीत कुमार गुप्ता को जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया का कुलपति नियुक्त की है। वर्तमान में प्रो. संजीत कुमार गुप्ता, वाणिज्य विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे है। प्रो. संजीत कुमार गुप्ता, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी से अध्ययन करने के उपरांत वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा तत्पश्चात दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे है। शैक्षणिक कार्यों के साथ गैर शैक्षणिक कार्यों में आपकी गहरी रुचि है। विभिन्न पुस्तकों के प्रकाशन के साथ कई लेखों का भी प्रकाशन आपके द्वारा हुआ है। कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन आपने किया है। विभिन्न विश्वविद्यालयों के बोर्ड ऑफ स्टडीज, एकेडमिक काउंसिल तथा कार्य परिषद के सम्मानित सदस्य भी रहे है। वर्ष 2010 में राष्ट्रीय सेवा योजना का राष्ट्रीय पुरस्कार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार श्रेष्ठ समन्वयक के रूप में आप को प्राप्त हुआ है। दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय में रोवर्स-रेंजर्स की स्थापना आप द्वारा की गई और बेहतर तरीके से संचालित हो रही है पूर्व में एनसीसी में लेफ्टिनेंट के रूप में भी काम किया है। विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रशासकीय पदों पर अपनी सेवाएं दी है।

जेएनसीयू में हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

बलिया (मान्यवर ब्यूरो)। हिन्दी पत्रकारिता दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार (29 मई) को पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय द्वारा ... संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ...

कुलगीत

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, विमल शिक्षा सदन।
बलिया का आध्यात्मिक क्षितिज गंगा का पावन संगमन ।1।

यह नवल नालन्दा, विमल विज्ञान-ज्ञान-कला-निलय।
है लक्ष्य जिसका-प्रेम से लौकिक विषमता का शमन।2।

यह जाति-वर्ग-विभेद से परिमुक्त, है गुरुकुल नवल।
राष्ट्रीयता, नवबन्धुता का कर रहा है पल्लवन।3।

स्नातक बनें परिपूर्ण मानव खण्ड-चिन्तन हो नहीं।
बोलें, चलें, सोचें सभी इक संग, तुल्य सदाचरण।4।

अध्यात्मरस से सींच कर सबको यथोचित ज्ञान दे।
संस्थान है यह कर रहा प्रस्थान का नूतन सृजन ।5।

यह रम्य पूर्वांचल, दिशा यह दीप्त उदयादित्य की।
कर्मस्थली जिन-बुद्ध की यह लोकसंस्कृति का भवन।6।

यह मृत्तिकाचषकों में ज्ञानामृत पिलाती भूमि है।
यह लोक भी है, वेद भी है सर्व धर्म-समन्वयन।7।

इस रम्य विद्याभूमि से ऐसी फसल तैयार हो।
जो विषमता को तोड़ समता का कराए आचमन।8।

हो नित विजयिनी शारदा श्री चन्द्रशेखर हों अमर।
बलिया कलित हो कीर्ति से भृगु-दर्दरी का आभरन।9।

अन्वीक्षण
The Quest

Compiled & Published by:

Jananayak Chandrashekhar University
Ballia - 277301 U.P.

For any suggestions, please contact us at : jncuballia@gmail.com